B. Ed. II Year

Code	Status	Number
E-303	(CC-7)	XI

Title: Knowledge, Language + Curriculum

Course Objectives: 1. Examine the Epistemological basic of education.
2. Understand the concept and principles of curriculum development.
3. Understand the formulation of new curriculm.

Name of Teacher: Dr. Anita Chaudhary

* पाठ्यक्रम का अर्थ एवम् अवधारणा (Meaning and Concept of Curriculum)

प्रत्येक समाज और राष्ट्र की अपनी आवश्यकतायें, मान्यतायें, मूल्य, विश्वास, परम्परायें तथा आदर्श होते हैं, जिनकी पूर्ति हेतु शिक्षा का विधान किया गया है। शिक्षा के कुछ उद्देश्य निर्धारित किए गये हैं। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, जिन विषयों तथा क्रियाओं का प्रशिक्षण आवश्यक है। सामान्य अर्थ में इसी को पाठ्यक्रम (Curriculum) कहा जाता है। यही शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति का प्रमुख साधन है। यदि पाठ्यक्रम को नियोजित और व्यवस्थित ढंग से बनाया जाय, तो शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने में

कठिनाई नहीं होती है।

* पाठ्यक्रम का अर्थ एवम् परिभाषा (Meaning and Definition of Curriculum)

पाठ्यक्रम को अंग्रेजी भाषा में करीकुलम कहते हैं। करीकुलम शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के क्यूरेर (Currere) शब्द से हुई है, जिसका अर्थ है, Race Course (दौड़ का मैदान)। जिस प्रकार कोई धावक दौड़ के मैदान में दौड़कर अपने लक्ष्य तक पहुँचता है, उसी प्रकार कोई व्यक्ति निश्चित पाठ्यक्रम को पूरा करके निश्चित लक्ष्य को प्राप्त करता है। यह अध्ययन का एक क्रम है। शिक्षा के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शिक्षक और छात्र इसी मार्ग का अनुसरण करते हैं।

* फ्रोबेल : "पाठ्यक्रम को मानव जाति के सम्पूर्ण ज्ञान और अनुभव का सार समझना चाहिए।"
* कनन : "पाठ्यक्रम पर्यावरण में होने वाली सभी क्रियाओं का योग है।"
* क्रो एवं क्रो : "पाठ्यक्रम में विद्यार्थी के विद्यालय के भीतर के अथवा बाहर के वे सभी अनुभव सम्मिलित हैं, जो बालक के मानसिक, शारीरिक, सामाजिक, संवेगात्मक, आध्यात्मिक और नैतिक विकास में सहायता करते हैं।"
* मुनरो : "पाठ्यक्रम में वे सभी क्रियाएँ सम्मिलित हैं, जिनका हम शिक्षा के उद्देश्यों

को प्राप्त करने के लिए उपयोग करते हैं।

* जॉन ड्यूवी : "सीखने का विषय या पाठ्यक्रम पदार्थों, विचारों और सिद्धान्तों का चित्रण है, जो निरन्तर उद्देश्यपूर्ण क्रियान्वेषण से साधन या बाधा के रूप में आते हैं।"

* पैने : "पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वे सभी परिस्थितियाँ आती हैं, जिनका प्रत्यक्ष संगठन और चयन बालकों के व्यक्तित्व का विकास करने तथा व्यवहार में परिवर्तन लाने के लिए विद्यालय करता है।"

* टी॰ पी॰ नन : पाठ्यक्रम से अभिप्राय: उन क्रियाओं से है, जो मानव आत्मा की महान अभिव्यक्ति है तथा जो विशाल जगत के लिए महानतम् एवं सबसे अधिक स्थायी महत्व की है।"

* हेनरी जे॰ ओटो : पाठ्यक्रम वह साधन है, जिसके द्वारा हम बच्चों को शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति के योग्य बनाने की आशा करते हैं।"

इस प्रकार पाठ्यक्रम बालक के विकास का वह महत्वपूर्ण साधन है, जो उसे ऐसे मार्ग पर ले जाता है, जिससे वह अपने लक्ष्य तक पहुँच जाता है। पाठ्यक्रम का सम्बन्ध सीखने वाले से भी है और सिखाने वाले से भी है। वस्तुत: यह दोनों को जोड़ने वाली कड़ी है और शैक्षिक प्रक्रिया का आधार है।